भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं. †*156

सोमवार, 31 जुलाई, 2023/9 श्रावण, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

प्रसाद योजना के अंतर्गत कुशीनगर में स्वीकृत परियोजना

†*156. श्री विजय कुमार दुबे:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान (प्रसाद) योजना के अंतर्गत कौन-कौन सी परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं;

(ख) स्वीकृत परियोजनाओं के कार्य किन चरणों पर हैं;

(ग) क्या कुशीनगर जिले में धार्मिक महत्व के स्थानों पर विचार किए जाने की आवश्यकता है; और

(घ) उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के किन-किन धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों को विभाग के मानदंडों के अनुसार संस्कृति मंत्रालय के माध्यम से तैयार किया जा सकता है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

*****

प्रसाद योजना के अंतर्गत कुशीनगर में स्वीकृत परियोजना के संबंध में दिनांक 31.07.2023 के लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. †*156 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में विवरण

(क) से (ग) : पर्यटन अवसंरचना का विकास मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है तथापि पर्यटन मंत्रालय (एमओटी) अपनी 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' योजनाओं के अंतर्गत धार्मिक/तीर्थ स्थलों सहित पर्यटक गंतव्यों में अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है । योजना दिशानिर्देशों के अनुसार प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर पर्यटन मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश राज्य में प्रशाद योजना के तहत 6 परियोजनाएं और स्वदेश दर्शन योजना के तहत 9 परियोजनाएं स्वीकृत की हैं जिनमें कुशीनगर में विकास कार्य को कवर करने वाली 2 परियोजनाएं शामिल हैं जिनका ब्यौरा नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)	भौतिक स्थिति
1.	2016-17	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास	87.89	पूर्ण
2.	2018-19	सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सहयोग से उत्तर प्रदेश और बिहार में वाराणसी - गया; कुशीनगर - गया - कुशीनगर में मार्गस्थ सुविधाओं का विकास	15.07	पूर्ण

(घ): उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में केंद्र द्वारा संरक्षित 10 स्मारक हैं जिनकी सूची अनुबंध में दी गई है । इन स्मारकों से संबंधित परिरक्षण और रखरखाव का काम भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा समय-समय पर किया जाता है ।

*****

अनुबंध

प्रसाद योजना के अंतर्गत कुशीनगर में स्वीकृत परियोजना के संबंध में दिनांक 31.07.2023 के लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. †*156 के भाग (घ) के उत्तर में विवरण

कुशीनगर जिले में सारनाथ मंडल के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत केंद्र द्वारा संरक्षित स्मारकों की सूची

क्र.सं.	स्मारक/स्थल का नाम	इलाका	ज़िला
1	ईंटों के खंडहरों का एक बहुत बड़ा टीला जिसे असमानपुरडीह कहा जाता है	छितौन	कुशीनगर
2	एक वृत्ताकार टीला एवं स्तूप के अवशेष	छितौन	कुशीनगर
3	बड़ी डीह या टीला	छितौन	कुशीनगर
4	खंडहरों का सपाट शिखर वाला बड़ा टीला जिसे झरमतिया या धर्मतिया खेती योग्य भूमि कहा जाता है	छितौन	कुशीनगर
5	170' की परिधि में एक टीला उस विशाल मंच के पूर्वी विस्तार पर स्थित है जिस पर स्तूप सं. 302 है । यह उस संरचना के उत्तर-पूर्व में लगभग 40' की दूरी पर है	छितौन	कुशीनगर
6	खंडहरों का टीला जो सहिया कहलाता है	छितौन	कुशीनगर
7	प्राचीन स्थल जिसे फाजिलनगर का कोट के नाम से जाना जाता है	फाजिल नगर	कुशीनगर
8	1) ठोस ईंटों का एक ऊंचा टीला, जिसे देवस्थान या रामभर भवानी कहा जाता है 2) एक आयताकार टीला, जिसे माथा कुअर का किला कहा जाता है जो टूटी हुई ईंटों से ढका हुआ है और जिस पर पूर्णत: ध्वस्त ईंट का स्तूप, तपस्वी बुद्ध की एक बड़ी प्रतिमा खड़ी है; जो बुद्ध के निर्वाण को दर्शाने वाली एक विशाल प्रतिमा है । 3) बड़े टीले के उत्तर और पूर्व में मैदान में बिखरे हुए स्मारकों के पास टूटी ईंटों से ढका हुआ एक निचला वर्गाकार टीला	कसिया	कुशीनगर
9	टूटी ईंटों और कुछ मूर्तियों से ढका हुआ बड़ा टीला	पडरौना	कुशीनगर
10	ईंटों के खंडहरों का टीला	साहिया	कुशीनगर

*****